7,198 करोड़ अतिरिक्त कमा रहे गन्ना किसान

मोहित धुपड़

चंडीगढ़। उत्तर-पूर्वी भारत के पांच राज्यों हरियाणा, पंजाब, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और बिहार के गन्ना उत्पादक किसान पिछले चार साल से अच्छी कमाई कर रहे हैं। इस बेल्ट में गन्ने की 'सीओ-0238' किस्म किसानों के लिए वरदान साबित हो रही है, जिसका इजाद गन्ना प्रजनन संस्थान क्षेत्रीय केंद्र करनाल में 2009 में किया गया था।

इस किस्म को ईजाद करने वाले वरिष्ठ गन्ना विशेषज्ञ एवं आईसीएआर शुगरकेन ब्रीडिंग संस्थान कोयंबटूर के निदेशक 'कैन मैन' डॉ. बख्शी राम का कहना है कि गन्ने की इस किस्म के बूते इन राज्यों के गन्ना किसानों ने 2014-15 से लेकर 2017-18 तक 28,795 करोड़ रुपये की अतिरिक्त कमाई की है। यानी इन राज्यों के किसान सालाना औसतन 7,198 करोड़ रुपये अतिरिक्त कमा रहे हैं।

इस किस्म को 'वंडर वैरायटी ऑफ शुगरकेन' भी कहा जाता है। गन्ने की यह किस्म ऐसी अगेती किस्म है, जिनकी खेती इन पांचों राज्यों में 23.03 लाख हेक्टेयर जमीन पर की जाती है। यह इन राज्यों में गन्ना उत्पादन के लिए इस्तेमाल कुल जमीन का करीब 66% है। वर्तमान में पंजाब में 70%, हरियाणा में 29 फीसदी, उत्तर प्रदेश में 19.6 फीसदी, उत्तराखंड में 8.4% और बिहार में 6 फीसदी जमीन पर इसी किस्म के गन्ने की खेती है।

आने वाली हैं बेहतर किस्में : गन्ना किसानों के लिए अच्छी खबर यह है कि आने वाले तीन साल में इससे भी बेहतर किस्म आने वाली है। आईसीएआर-शुगरकेन ब्रीडिंग संस्थान कोयंबटूर में इस पर सात साल से शोध चल रहा है। संस्थान के निदेशक डॉ. बख्शी राम ने बताया कि यह शोध प्रोजेक्ट ऑल इंडिया को-ऑर्डिनेट परियोजना की फेहरिस्त में शामिल हो गया है। अब यह देखा जा रहा है कि यह किस्म किसानों को देने लायक है या नहीं? इसकी पैदावार कितनी रहेगी और शुगर रिकवरी कितनी होगी आदि बिंदुओं पर अभी शोध चल रहा है।

19 टन बढ़ी पैदावार

इस किस्म की पैदावार प्रति हेक्टेयर 81 टन है। यानी इससे औसतन शुगर रिकवरी (1 क्विंटल गन्ना पिराई में निकली चीनी की मात्रा) भी 12 फीसदी तक है। इससे पहले इन राज्यों में गन्ने की 'सीओजे-64' अगेती किस्म की खेती ज्यादा होती थी। इसकी पैदावार 60 से 65 टन प्रति हेक्टेयर होती है और शुगर रिकवरी भी 10 फीसदी तक ही रहती है। लेकिन अब इन राज्यों में 'सीओ-0238' किस्म से 19 टन प्रति हेक्टेयर तक पैदावार बढ़ी है।

Amar Ujala
25/3/2019